भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2950 का उत्तर

रेलवे की वार्षिक वृद्धि दर

2950. श्री पार्थ भौमिक:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे के परिचालन अनुपात का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे की वर्ष-वार चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर कितनी है; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे द्वारा अर्जित शुद्ध राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): समग्र राजस्व में वृद्धि करने के लिए, भारतीय रेल ने पिछले 11 वर्षों में कई उपाय किए हैं। जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए, नई लाइनों का निर्माण, मौजूदा लाइनों का बहुपथन और मौजूदा लाइनों का आमान परिवर्तन करके बड़े पैमाने पर रेल नेटवर्क का विस्तार कार्य शुरू किया गया है। पिछले 11 वर्षों के दौरान 34,428 कि.मी. नई पटरियाँ बिछाई गई हैं। इसके अतिरिक्त, दिनांक 01.04.25 की स्थिति के अनुसार 431 (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है। इसका सारांश निम्नानुसार है:**

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2025 तक पूरी की गई लंबाई (कि.मी.)	शेष लंबाई (कि.मी.)
नई लाइन	154	16,142	3,036	13,105
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	1,183
दोहरीकरण/बहुपथन	244	15,644	6,736	8,909
कुल	431	35,966	12,769	23,197

- यार्ड का पुनर्निर्माण, बाइपास/कॉर्ड लाइन का निर्माण, रेल फ्लाईओवर आदि द्वारा परिचालन संबंधी बाधाओं को दूर करना।
- लुधियाना से सोननगर (1337 कि.मी.) तक पूर्वी समर्पित माल गलियारा (ईडीएफसी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 कि.मी.) तक पश्चिमी समर्पित माल गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) का निर्माण शुरू किया जा चुका है। कुल 2843 कि.मी. में से 2741 मार्ग कि.मी. (96.4%) को कमीशन किया जा चुका है और परिचालित किया जा रहा है।
- भारतीय रेल ने रेल लाइनों के विद्युतीकरण कार्य को मिशन मोड में शुरू किया है। अब तक लगभग 99.1% बड़ी लाइन नेटवर्क को विद्युतीकृत किया जा चुका है। वर्ष 2014 के पहले और बाद के विद्युतीकरण कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पूर्व	21,801
2014-25	46,900

- माल डिब्बों और इंजनों का प्रापण: माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल के माल डिब्बों का बड़ी संख्या में प्रापण किया गया है और इंजनों का निर्माण किया गया है। वर्ष 2014 से 2025 के दौरान, लगभग 2 लाख माल डिब्बों का प्रापण किया गया और माल लदान तथा गतिशीलता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक इंजन शामिल किए गए हैं।

- सामान्य प्रयोजन के माल डिब्बों, विशेष प्रयोजन/उच्च क्षमता वाले माल डिब्बे सीमेंट, तेल, स्टील, फ्लाई-एश, ऑटोमोबाइल आदि के लिए ऑटोमोबाइल वाहक माल डिब्बों में निवेश में उद्योग की भागीदारी। अब तक, विशेष प्रयोजन वाले माल डिब्बों के 240 रेक, सामान्य प्रयोजन वाले माल डिब्बों के 374 रेक और ऑटोमोबाइल माल डिब्बों के 48 रेक शामिल किए गए हैं।
- 'गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति के अंतर्गत अब तक 118 नए जीसीटी कमीशन किए गए हैं, जिनकी अनुमानित यातायात क्षमता 192 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2023-24 से माल और पार्सल टर्मिनलों के सुधार के लिए 14,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
- रेलवे सुधारों के तहत थोक सीमेंट परिवहन को सुगम बनाने के लिए हाल ही में रेल भूमि पर टर्मिनल स्थापित करने के लिए "थोक सीमेंट टर्मिनल नीति" शुरू की गई है।
- मांग के अनुसार रेकों/माल डिब्बों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- माल परिचालन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना ताकि परिसंपत्तियों की निगरानी और उपयोगिता में सुधार हो।
- उच्च अश्वशक्ति वाले इंजनों को शामिल करना।
- माल डिब्बों और इंजनों की अनुरक्षण पद्धतियों में सुधार के परिणामस्वरूप यातायात उपयोग के लिए इंजनों और चल स्टॉक की बढ़ी हुई उपलब्धता।
- अधिक यातायात के परिवहन के लिए रेलपथ और सिगनल प्रणाली के मानकों में सुधार।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, माल लदान 2013-14 में 1,055 मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 में 1617 मीट्रिक टन हो गया है, अर्थात लगभग 54% की वृद्धि। इस अवधि के दौरान राजस्व में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो 2013-14 में 1,39,838 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2,65,678 करोड़ रुपये हो गई है, अर्थात लगभग 90% की वृद्धि।

वर्ष 2021-22 से रेलवे की वित्तीय स्थिति, जिसमें अधिशेष और परिचालनिक अनुपात शामिल हैं, निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

	2021-22*	2022-23	2023-24	2024-25
कुल राजस्व	1,91,367	2,40,177	2,56,094	2,65,678
कुल व्यय	2,06,392	2,37,660	2,52,834	2,63,018
अधिशेष	-15,025	2,517	3,260	2,660
परिचालनिक अनुपात	107.39%	98.10%	98.43%	98.22%

***रेल परिचालन पर कोविड महामारी का प्रभाव**

****